बालमन

Powered by Teachers of Bihar

नवंबर-2023 अंक-11

प्रखंड: चाँद

जिला: कैमूर

प्रधान संपादक

प्रमोद कुमार" निराला "

Pramod Kumar- +91 9661547325 Dheeraj Kumar- +91 9431680675

+91 7250818080 info@teachersofbihar.org |

wwww.teachersofbihar.org teachersofbihar@gmail.com

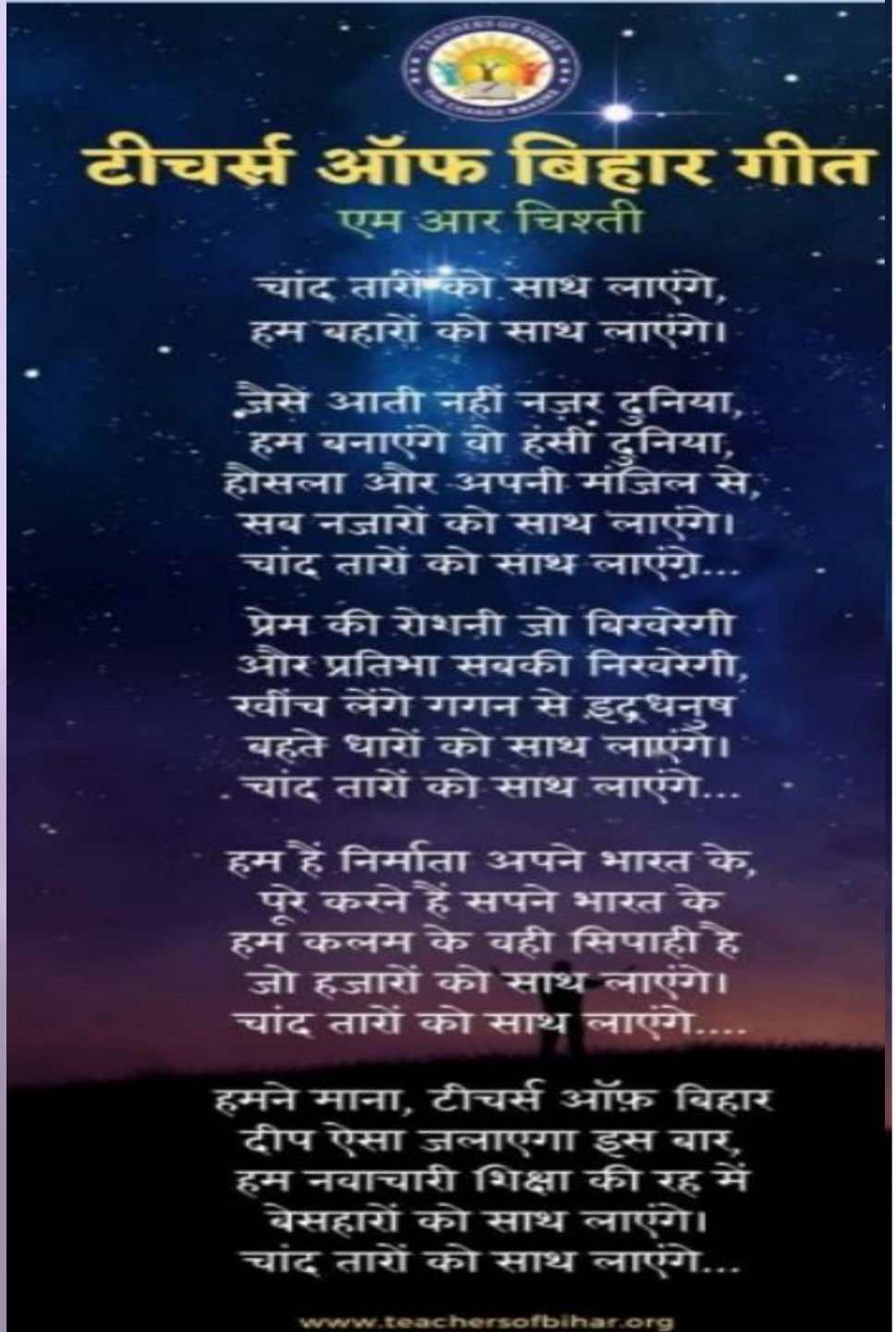

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से **"बाल मन कैमूर"** पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए **"बाल मन कैमूर"** के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

कार्तिक मास के प्रमुख त्योहार दीपावली दीए जलाकर, फुलझरी और पटाखों से अंधकार को ज्ञान रूपी प्रकाश में बिखरता साथ ही आस्था का महापर्व छठ तालाब के किनारे अमीरी-गरीबी को भूल सबका आपसी सहयोग,सद्भावना, प्रेम पावन त्यौहार को शोभनीय और रमणीय बना देता है।

पत्रिका का इस अंक को समर्पित करते हुए सर्दी का आगमन, ठंड से बचाव को ध्यान में रखते हुए आप सभी बच्चे अपने-अपने विद्यालय में निरंतर रचनात्मक कला एवं नवाचार करते रहे।साथ ही अपने अंदर के बाल कलाकार को बाहर आने दे।आपके पास कोई कला है तो उसको बालमन टीम तक जरूर पहुंचाएं।

आप सभी के साथ हमारी बालमन चांद टीम बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई त्रुटि या भूल हुई है तो उसके लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं। आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

प्रमोद कुमार

क. म. वि. चांद, कैमुर

सहयोगी सदस्य

1-उदय पांडे, म.वि.चांद

2-मो.असलम, म.वि.चांद

3- प्रीति कुमारी,उ.म.वि.धोबहां

4-मीरा कुमारी,उ.माध्यमिक वि.भलुहारी

5-विनीतातिवारी, प्रा.वि.किशनपुरा

6- सुमन सिंह पटेल,क.म.वि.चांद

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

20 नवम्बर 2023

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सफल होने के लिए आपको अकेले चलना होगा लोग तो तब आपके साथ

आते हैं जब आप सफल हो जाते हैं।

- नेताजी सुभाषचंद्र बोस

Vishwa Vijay Singh

जयंती विशेष

20 नवंबर 2023

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

अपने हौसले को ये मत बताओ की तुम्हारी परेशानी कितनी बड़ी है

अपने परेशानी को ये बताओ की तुम्हारा हौसला कितना बड़ा है।

मिल्खा सिंह

(भारत के महान एथलीट)

जन्म: 20 नवंबर 1929 मृत्यु: 18 जून 2021

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

जयंती विशेष 20 नवंबर

राकेश कुमार

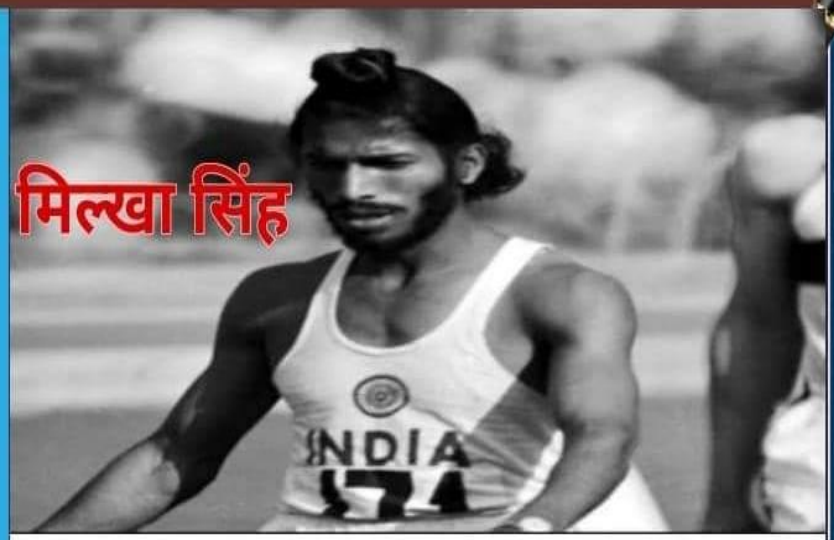

मिल्खा सिंह जन्म: 20 नवंबर 1929 मृत्यु: 18 जून 2021 जिन्हें " **द फ्लाइंग सिख** " के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय ट्रैक और फील्ड धावक थे, जो भारतीय सेना में सेवा करते समय इस खेल से परिचित हुए थे। वह एशियाई खेलों के साथ-साथ राष्ट्रमंडल खेलों में 400 मीटर में स्वर्ण जीतने वाले एकमात्र एथलीट हैं। उन्होंने 1958 और 1962 के एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीते।

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

नवम्बर 2023

शिक्षा का दीप

घर-घर में दीप इल्म का जलाते रहेंगे।
शिक्षक हैं बोध शिष्य का कराते रहेंगे।।

सीखना-सिखाना जिंदगी का खास है मेरे,
इसी में कामयाबी का एहसास है मेरे,
गुरु -शिष्य की परम्परा निभाते रहेंगे।
घर-घर में दीप इल्म का जलाते रहेंगे।

भटके हुए को राह दिखाते रहे जो हम,
उजड़े चमन में फूल खिलाते रहे जो हम,
होनहार नई पौध हम उगाते रहेंगे।
घर-घर में दीप इल्म जलाते रहेंगे।

दृढ़ी हो शिक्षित बनो की बात हैं करते,
संकल्प भरे स्वप्न को साकार हैं करते,
अनमोल बिखरे पुष्प को सजाते रहेंगे।
घर-घर में दीप इल्म का जलाते रहेंगे।

शिक्षक हैं बोध शिष्य का कराते रहेंगे।
घर-घर में दीप इल्म का जलाते रहेंगे।

संगीता कुमारी (शिक्षिका)
UMS अर्रा, मोहनियां (कैमूर)

ToB बालमन

नवम्बर 2023

दर्शनीय स्थल

बिहार पर्यटन: देव सूर्य मंदिर

देव सूर्य मंदिर, देवार्क सूर्य मंदिर या केवल देवार्क के नाम से प्रसिद्ध है यह भारतीय राज्य बिहार के औरंगाबाद जिले में देव नामक स्थान पर स्थित एक हिंदू मंदिर है जो देवता सूर्य को समर्पित है। यह सूर्य मंदिर अन्य सूर्य मंदिरों की तरह पूर्वाभिमुख न होकर पश्चिमाभिमुख है । यहां सात रथों से सूर्य की उत्कीर्ण प्रस्तर मूर्तियां अपने तीनों रूपों प्रातःकाल में, दोपहर में और शाम के समय में विराजमान है। काले और भूरे पत्थरों की अति सुंदर कृति देव के प्राचीन सूर्य मंदिर में देखने को मिलती है और दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं को भावविभोर करती है। सूर्य मंदिर को देखने से ऐसा लगता है कि बिना किसी जुड़ाई के पत्थर से ही इस मंदिर का निर्माण करवाया गया है। सूर्य मंदिर के पत्थरों में विजय चिन्ह व कलश अंकित हैं। देव सूर्य मंदिर के स्थापत्य कला के बारे में कई तरह की किंवदंतियाँ है। मंदिर के स्थापत्य से प्रतीत होता है कि मंदिर के निर्माण में उड़िया स्वरूप नागर शैली का समायोजन किया गया है। नक्काशीदार पत्थरों को देखकर भारतीय पुरातत्व विभाग के लोग मंदिर के निर्माण में नागर शैली एवं द्रविड़ शैली का मिश्रित प्रभाव वाली वेसर शैली का भी समन्वय बताते है।

देव मंदिर दो भागों गर्भ गृह और मुख मंडप में बंटा है। करीब 100 फुट उंचे इस मंदिर का निर्माण बिना सीमेंट अथवा चूने-गारे का प्रयोग किए आयताकार, गोलाकार, त्रिभुजाकार वर्गाकार आदि कई रूपों में पत्थरों को काटकर बनाया गया है।

एक अन्य विवरण के अनुसार देवार्क को तीन प्रमुख सूर्य मंदिरों में से एक माना जाता है, अन्य दो लोलार्क (वाराणसी) और कोणार्क हैं। हर साल चैत्र मास व कार्तिक मास में होने वाले छठ पर्व पर लाखों श्रद्धालु छठ व्रत करने के लिए जुटते हैं।

ToB बालमन

अज़ब-गज़ब

नवम्बर 2023

1.ब्लूटूथ का नाम वाइकिंग राजा, हेराल्ड ब्लूटूथ के नाम पर रखा गया है।

2. पानी की बोतल पर लिखी एक्सपायरी डेट बोतल के लिए होती है, पानी के लिए नहीं।

3. महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज़्यादा बार पलकें झपकाती हैं।

4. आपके गले के Tonsils ऑपरेशन करके हटाए जाने के बाद भी वापस बड़े हो सकते हैं, अगर कोई Tissue छूटा रह गया हो तो।

5.1940 के दशक में, जब तक एक्स-रे के ख़तरों के बारे में पता नहीं चला था, तब तक जूते की दुकानों में पैरों का एक्स-रे किया जाता था ताकि फ़िटिंग सही आए।

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

नवम्बर 2023

अगले सफर की तैयारी

एक राज्य का क़ानून था कि वो एक साल बाद अपना राजा बदल लेते थे। उस दिन जो भी
गहले शहर में आता था तो उसे राजा घोषित कर लेते थे, और इससे पहले वाले राजा को एक
ी ख़तरनाक और मीलों में फैले जंगल के बीचों बीच छोड़कर आते जहां वह अगर खूंखार ज
से किसी तरह अपने आप को बचा लेता तो भी भूख-प्यास से मर जाता।
ना जाने कितने ही राजा ऐसे ही एक साल की राजगद्दी के बाद जंगल में जा कर मर गए
क बार राज्य में एक नौजवान किसी दूसरे राज्य से आया और इस राज्य के कानून से अनज
तब सब लोगों ने आगे बढ़कर उसे बधाईयाँ दी और उसे बताया कि उसको इस राज्य का राज
लिया गया है और उसे बड़े मान-सम्मान के साथ राजमहल में ले गए। वो हैरान भी हुआ और
ख़ुश भी।
राजगद्दी पर बैठते ही उसने पूछा कि मुझसे पहले जो राजा था, वो कहाँ है?
ी दरबारियों ने उसे इस राज्य का क़ानून बताया कि हर राजा को एक साल बाद जंगल में छो
जाता है और नया राजा चुन लिया जाता है।
ये बात सुनते ही वो एक बार तो परेशान हुआ लेकिन फिर उसने अपने दिमाग का इस्तेमाल
हुए कहा कि मुझे उस जगह लेकर चलो जहाँ तुम अपने पहले के राजाओं को छोड़कर आते
रबारियों ने सिपाहियों को साथ लिया और नये नियुक्त राजा को वो जगह दिखाने जंगल में
राजा ने अच्छी तरह उस जगह को देख लिया और वापस आ गया। अगले दिन उसने सबसे
ादेश ये दिया कि मेरे राजमहल से जंगल तक एक सड़क बनाई जाये और जंगल के बीचों बी
ख़ूबसूरत राजमहल बनाया जाये जहां पर हर तरह की सुविधा मौजूद हों और राजमहल के
ख़ूबसूरत बाग़ बनाया जाएं।
राजा के आदेश का पालन किया गया। जंगल में सड़क और राजमहल बनकर तैयार हो गया
साल के पूरे होते ही राजा ने दरबारियों से कहा कि आप अपने कानून का पालन करो और मु
छोड़ आओ जहां मुझसे पहले राजाओं को छोड़ के आते थे।
दरबारियों ने कहा कि महाराज आज से ये कानून ख़त्म हो गया क्योंकि हमें एक अक्लमंद
मिल गया है, वहाँ तो हम उन बेवकूफ राजाओं को छोड़कर आते थे जो एक साल की राजश
मज़े में बाक़ी की ज़िंदगी को भूल जाते और अपने लिए कोई बंदोबस्त ना करते थे, लेकिन
अपने दिमाग का इस्तेमाल किया और आगे का बंदोबस्त कर लिया।हमें ऐसे ही होशियार रा

नन्हें कलाकार

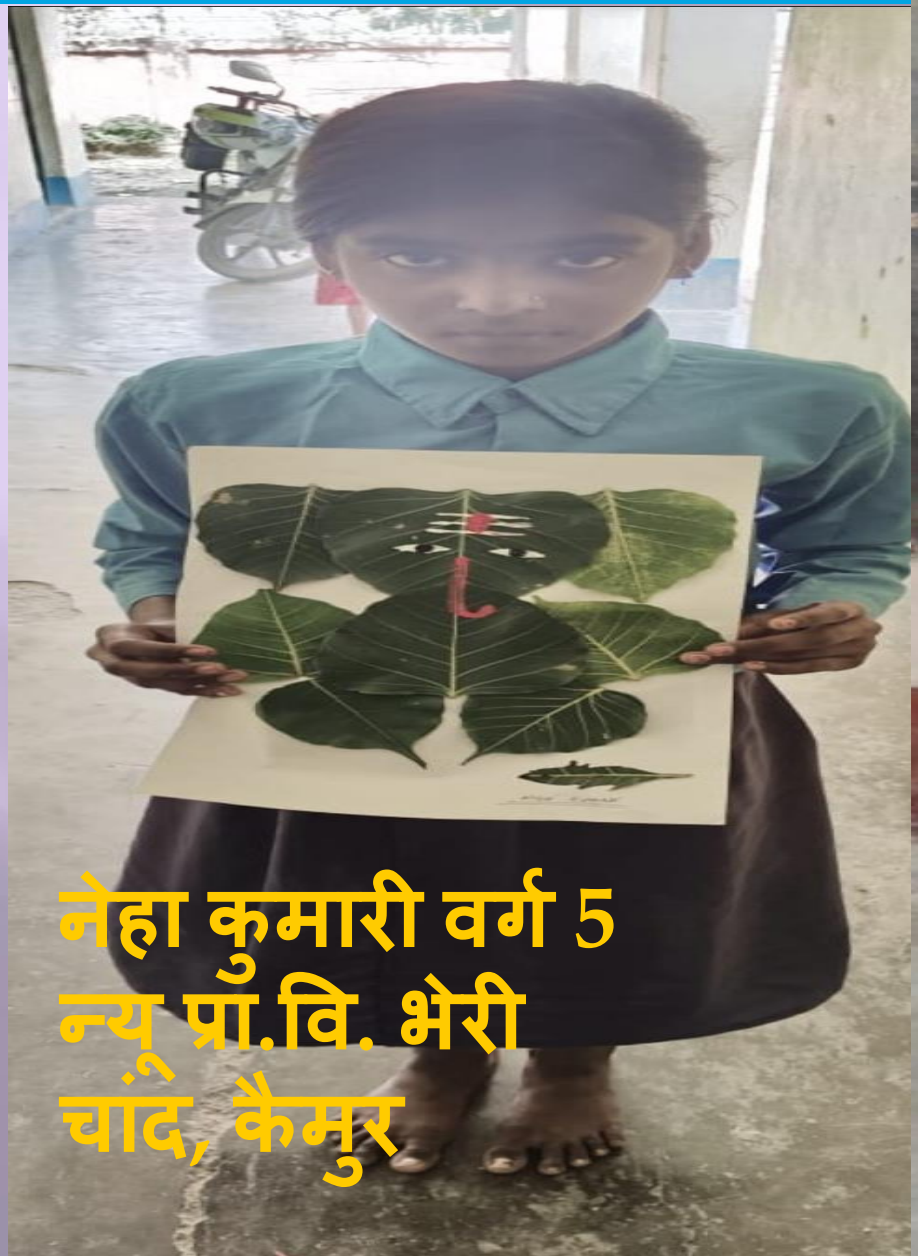

नेहा कुमारी वर्ग 5
न्यू प्रा.वि. भेरी
चांदं, कैमुर

सोनी मोर्य वर्ग 5
उ.उ.वि.चौरी चांद,
कैमुर

नन्हें कलाकार

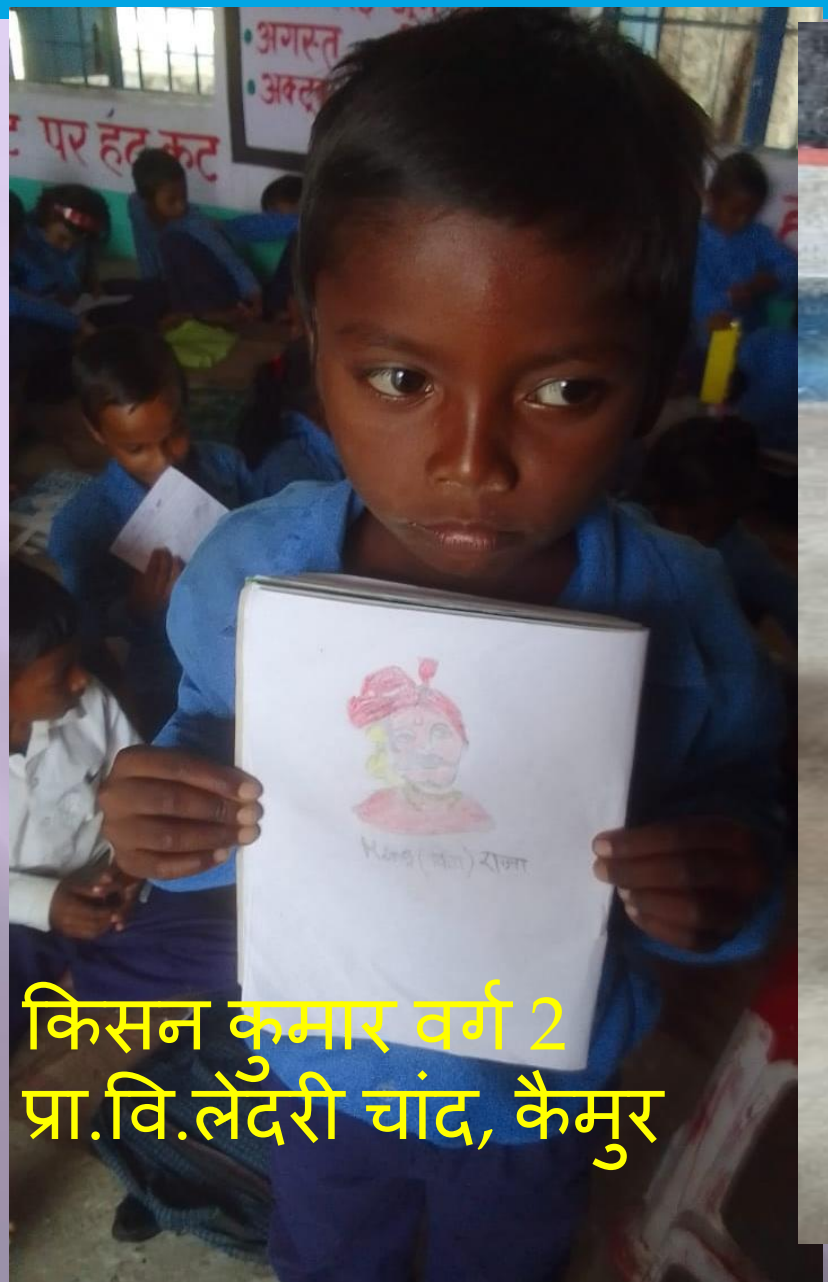

किसन कुमार वर्ग 2
प्रा.वि.लेंदरी चांद, कैमुर

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया चांद,
कैमुर

नन्हें कलाकार

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया चांद, कैमुर

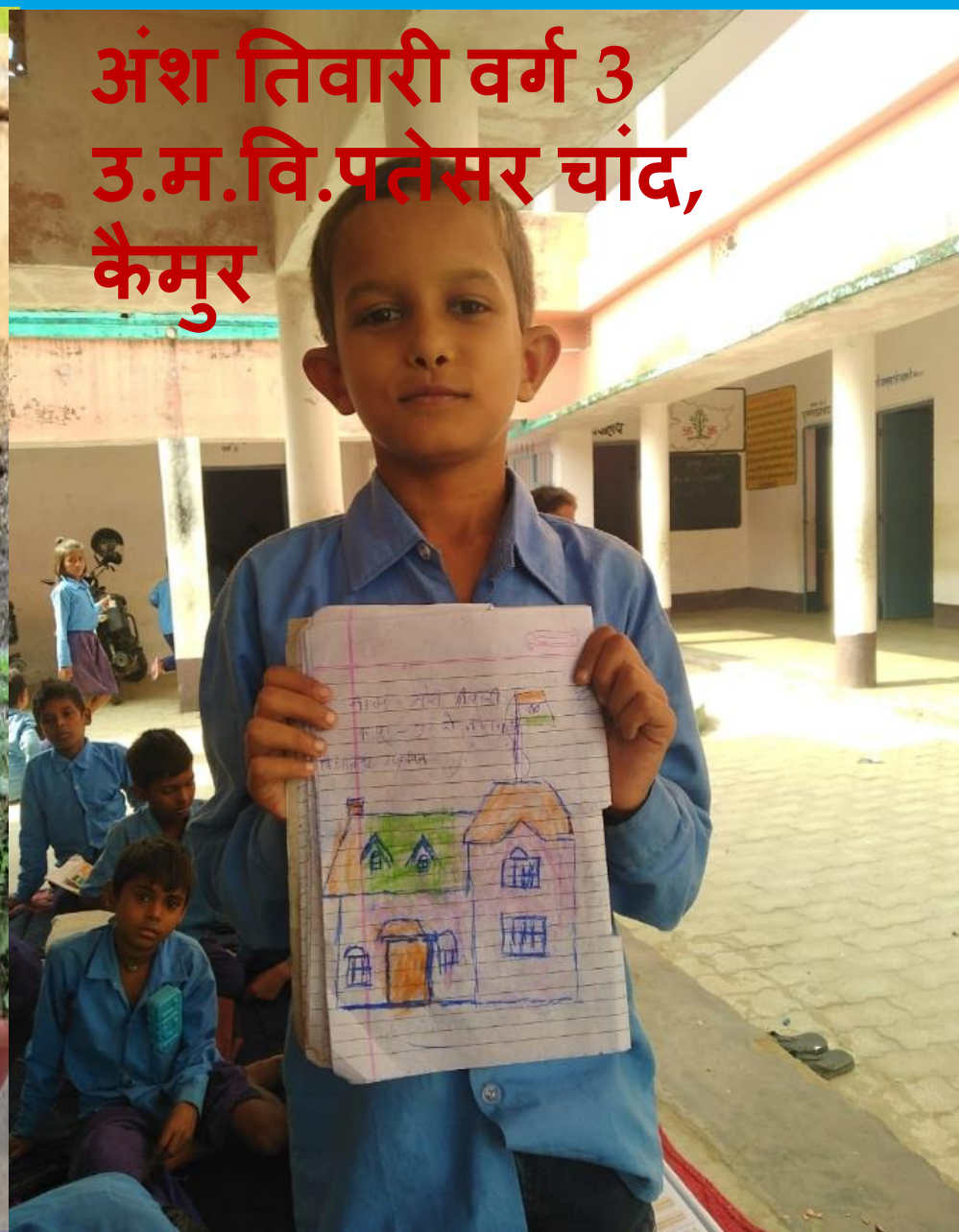

अंश तिवारी वर्ग 3 उ.म.वि.पतेसर चांद, कैमुर

नन्हें कलाकार

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया चांद, कैमुर

नन्हें कलाकार

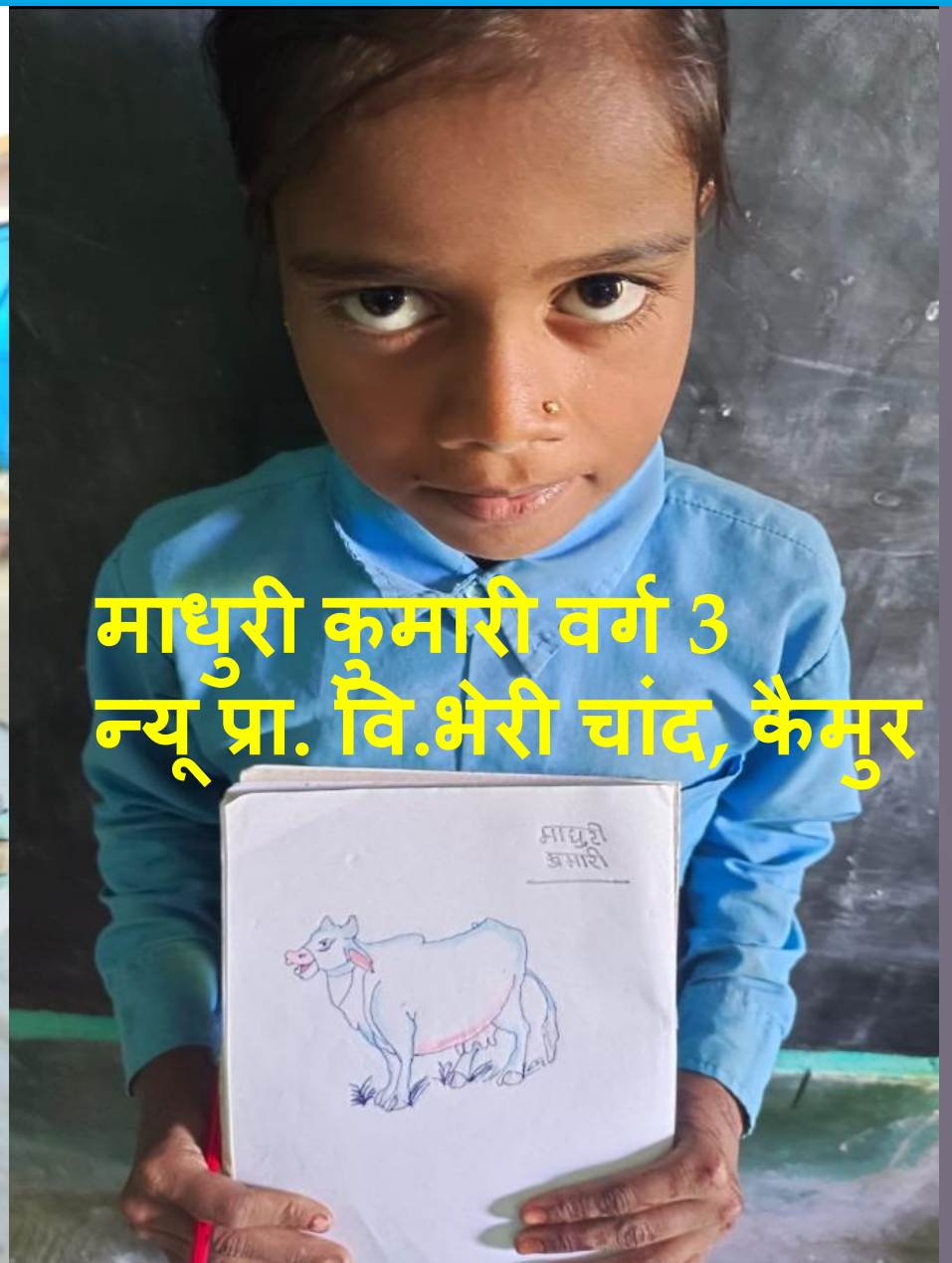

ToB बालमन

थोड़ा मुस्कुरा भी दो ....

नवम्बर 2023

टीटू: सर, लोग हिंदी या इंग्लिश में ही क्यों बोलते हैं।
मैथ्स में क्यों नहीं?

टीचर: ज्यादा 3 -5 मत करो , 9 -2 -11 हो जाओ ,
नहीं तो 5 -7 खींच कर दूंगा तो 6 के 36 नजर
आएंगे
और 32 के 32 बाहर निकल आएंगे।
टीटू: बस सर...समझ गया, हिंदी इंग्लिश ही ठीक है
,मैथ्स की भाषा तो बड़ी खौफनाक है।

.....

टीचर: घर की परभाषा बताओ ।
टिंकू : जो घर हौसले से बनाये जाते हैं उसे "हाऊस" कहते हैं...
जिन घरों में होम-हवन होते हैं उन्हें "होम" कहते हैं...
जिन घरों में हवा ज्यादा चलती है उन्हें *"हवेली"*कहते हैं...
जिन घरों में दीवारों के भी कान होते हैं उन्हें "मकान" कहते हैं...
जिन घरों के लोन के इंस्टॉलमेंट भरते-भरते आदमी लेट जाता है उन्हें
"फ्लैट" कहते हैं...
और जिन घरों में यह भी न पता हो कि बगल के घर में कौन रहता है
उन्हें "बंगला" कहतेहैं

टीचर : अब रहने दो बेटा वरना मैं अपना घर भूल जाऊंगा।

पेन वह पेंसिल

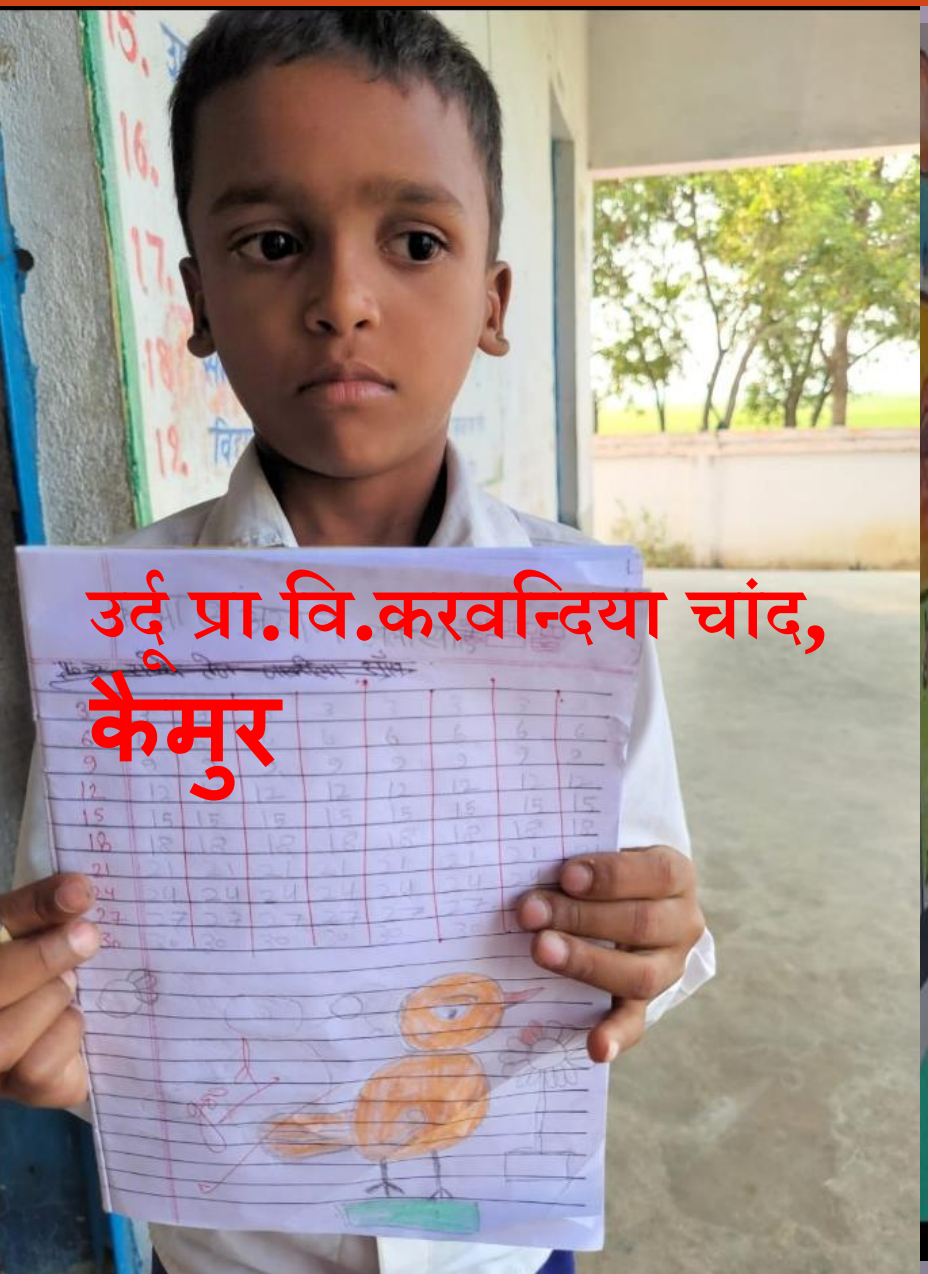

पेन वह पेंसिल

शिवा कुमार वर्ग 3
न्यू प्रा.वि.भेरी चांद, कैमुर

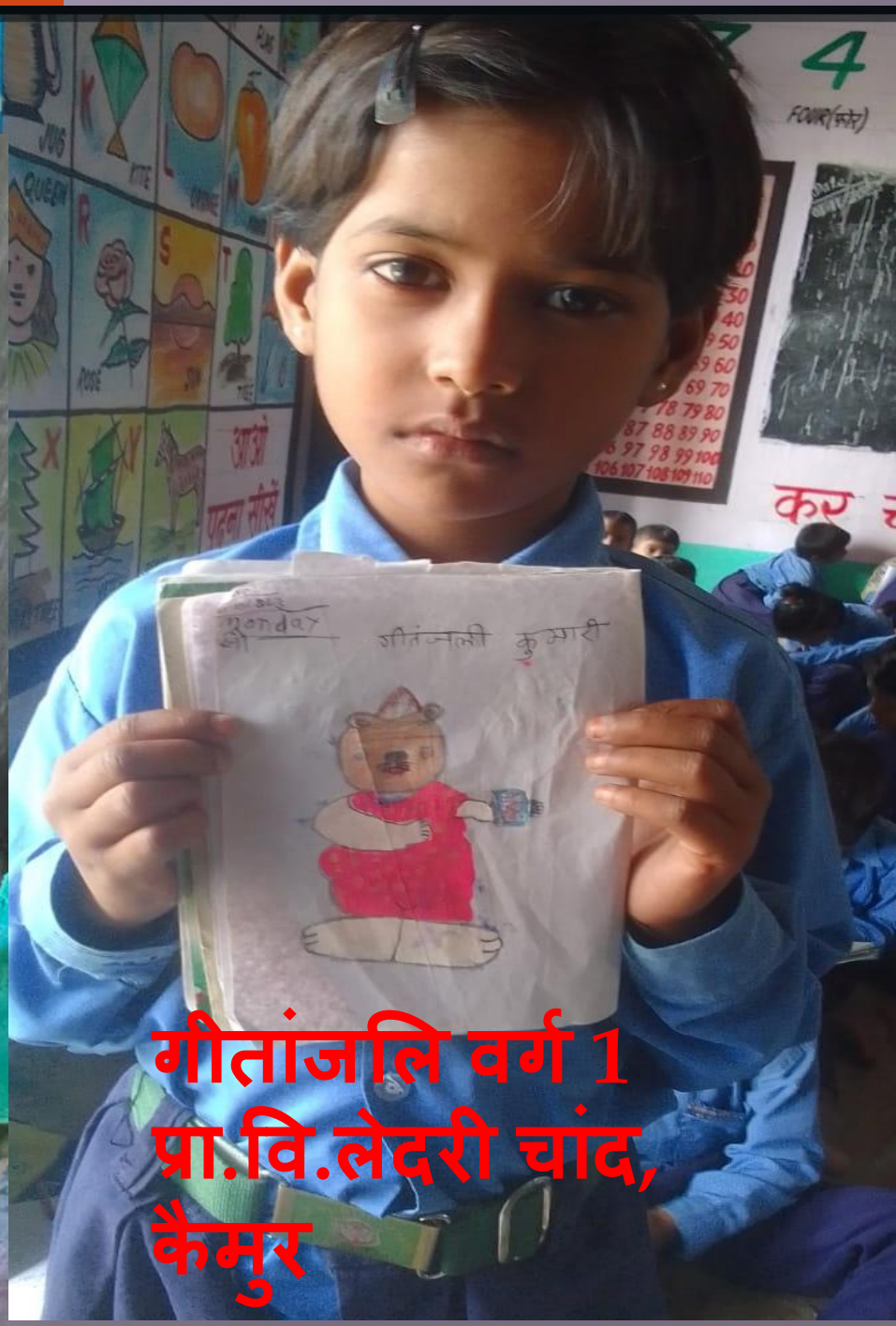

गीतांजलि वर्ग 1
प्रा.वि.लेदरी चांद,
कैमुर

पेन वह पेंसिल

गुड़िया कुमारी वर्ग 5
उ.उ.वि. चौरी चांद कैमुर

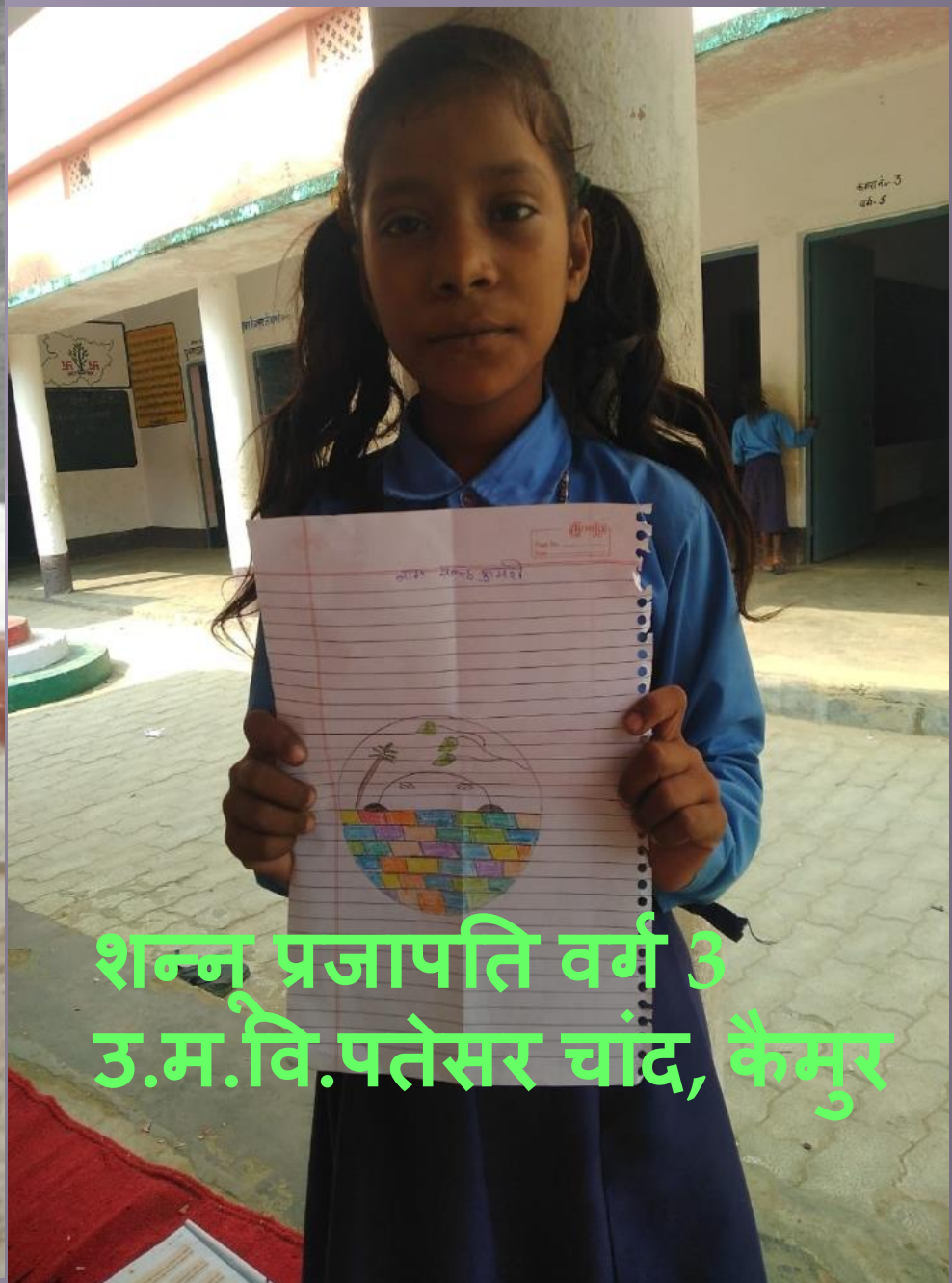

शन्नू प्रजापति वर्ग 3
उ.म.वि.पतेसर चांद, कैमुर

पेन वह पेंसिल

सुहानी कुमारी वर्ग 5
प्रा.वि.सिंहोरिया चांद, कैमुर

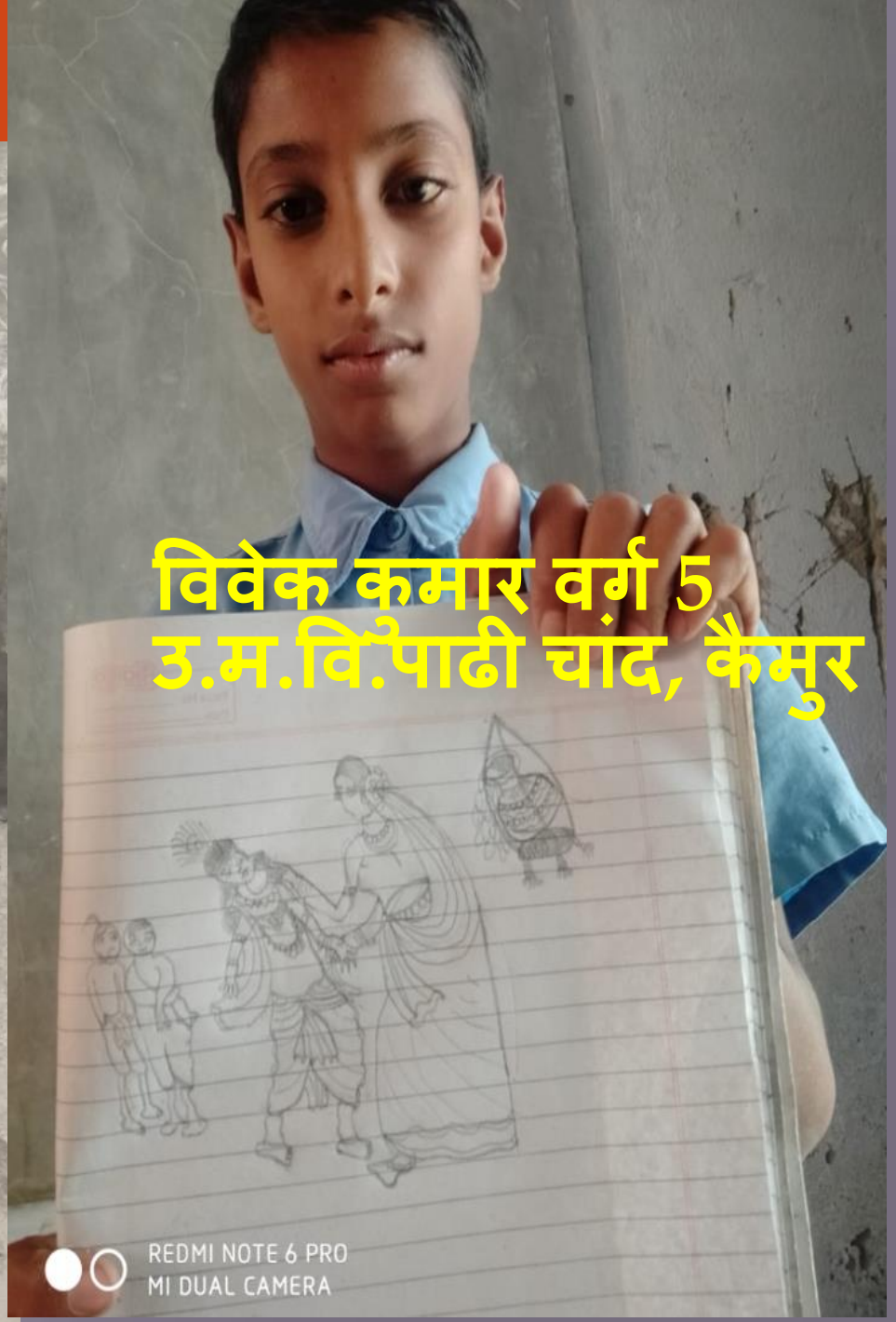

विवेक कुमार वर्ग 5
उ.म.वि.पाढी चांद, कैमुर

विज्ञान कार्नर

अयस्कों का सान्द्रण

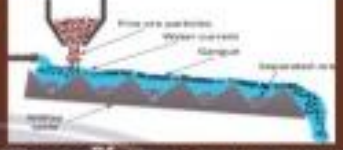

धातुओं के निष्कर्षण के लिए अयस्कों का सान्द्रण बहुत जरूरी है। अयस्कों में उपस्थित अशुद्धियों को विभिन्न विधियों द्वारा साफ किया जाता है।

1. हाथ से चुनकर (Hand Picking) –
   अयस्क में उपस्थित बड़े आकर के टुकड़ों (अशुद्धियों) को हाथ से चुनकर अलग कर लिया जाता है।
2. गुरुत्व पृथक्करण विधि –
   यह विधि वैसे अयस्कों के लिए प्रयुक्त होती है जिसमें अयस्क के कण उसमें उपस्थित अशुद्धियों से भारी होती हैं। अयस्क के चूर्ण को जल के तेज प्रवाह के साथ उसे कई मेढ़ो से युक्त एक कंपन करने वाले टेबल से होकर गुजारा जाता है। ऐसा करने से अयस्क के भारी कण मेढ़ों द्वारा रोक लिए जाते हैं जबकि कीचड़युक्त जल मेढ़ों के ऊपर से होकर निकल जाते हैं।

फेन प्लवन विधि
(फेन उत्प्लावन विधि)

- इस विधि में सल्फाइड अयस्क के चूर्ण को जल से भरी टंकी में डालते हैं।
- इसके बाद जल में तेल डालकर वायु प्रवाह द्वारा खूब आलोड़ित किया जाता है। घुलनशील अपद्रव्य जल में घुल जाते हैं और अयस्क के हल्के कण फेन के साथ जल के सतह के ऊपर आ जाते हैं जिन्हें अलग कर लिया जाता है।
- अशुद्धियाँ नीचे बैठ जाती है।
- फेन को सुखाकर शुद्ध अयस्क प्राप्त कर लेते हैं।

तांबा, लेड और जस्ता के सल्फाइड अयस्कों का सान्द्रण

चुम्बकीय पृथक्करण विधि

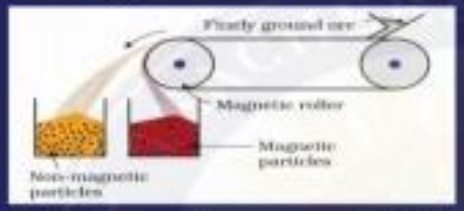

यह विधि वैसे अयस्कों के लि
प्रयुक्त होती है जिसमें अयस्
और उसमें उपस्थित अशुद्धि
में कोई एक चुम्बकीय हो।

- सबसे पहले अयस्क को पीसकर महीन चूर्ण बना दिया जाता
- इस चूर्ण को एक विद्युत चुम्बकीय बेलनों के बेल्ट पर डालक
  मशीन को चालू कर दिया जाता है।
- अयस्क में अगर अशुद्धियाँ चुम्बकीय गुण के हो तो वह चुम्ब
  की ओर आकर्षित होकर एक पात्र में जमा हो जाता है।
- अचुम्बकीय पदार्थ या अयस्क एक अलग पात्र में एकत्रित हो
  जाता है।

इस विधि से लोहा और टिन जैसे धातुओं का सान्द्रण किया जाता

रासायनिक विधि (निक्षालन) LEACHIN

- इस विधि में अयस्क को एक विशेष विलायक में डालते हैं
  क्योंकि अयस्क इस विशेष विलायक में घुलनशील होता
  है जबकि अपद्रव्य या अशुद्धियाँ अघुलनशील ।
- पुनः घुले हुए अयस्क के विलयन को एक विशेष विलायक
  में डाल जाता है जहाँ अयस्क अवक्षेप के रूप में बदल
  जाता है।
- ऐलुमिनियम के अयस्क बॉक्साइट में उपस्थित अपद्रव्य व
  इसी विधि द्वारा सांद्रित किया जाता हैं।

चहक

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया चांद, कैमुर

चहक

उ.म.वि.किलनी चांद, कैमुर

चहक

न्यू प्रा.वि. कर्मा पुर चांद, कैमुर

प्रा.वि.सोनांव चांद, कैमुर

कविता

आ रे कबूतर
आरे, आरे ,आ कबूतर, गजब करतब दिखा कबूतर।
छत पर मां ने दाने डाले, धीरे-धीरे खा कबूतर।।
मुनिया दिन भर रोया करती, उसको तू चुप करा कबूतर।
देखें हम तेरा रंग सफेदा, अपनी गर्दन घुमा कबूतर।।
अपने हवा की अटखेलियां मनोहर, एक बार फिर दिखा कबूतर।
बुरी बात है आलस करना,मूल मंत्र यह बता कबूतर।।
आरे,आरे, आ कबूतर। गजब करतब दिखा कबूतर।।
प्रमोद कुमार" निराला"
क.म.वि. चांद, कैमुर

मेरा शेरु
मेरा प्यार शेरू, रंग है उसका गेरू।
जब घर मेंआऊं, मुझसे लिपट जाए।।
नहीं कभी भी भोंके, आहट पाकर चौंके।
पूरे घर में घूमे, मस्ती में वह झूमे।।
जब कोई आए मेहमान,झट से सूचना दे वह जान।
मुस्कुराता सा दीखे ,अच्छी आदत सीखे।।
पिता दूध ताजा,कहलाता है राजा।
रात को शेरू का नाम सुन,चोर भी झट भाग जाता।।
प्रमोद कुमार
क.म.वि. चांद, कैमुर

कहानी

गाँधी जी और बालक

–वागीश

एक बार गाँधी जी अपने आश्रम में बैठे फल खा रहे थे। उसी समय एक ऐसा परिवार उनसे मिलने आया, जिसे गांधी जे से प्रेम था. उनमें श्रद्धा थी। उस परिवार के लोग वहां आए, उनमें माता-पिता व उनका एक छोटा बालक था। गांधी जी को प्रणाम करके वे लोग उनके सामने बैठ गए तो जो एक छोटा बालक था उसने गांधी जी की तरफ देखा और फिर अपनी मां से कुछ कहने लगा पर मां उसे बोलने न देकर कह रही थी, 'चुप! चुप! ऐसा नहीं कहते।' वह बालक मां से कह रहा था, 'गांधी जी पूरे पागल हैं।' मां गुस्सा हो गई। बोली, 'चुप नहीं रहेगा?' 'ऐसा मत कह!' पर बच्चे ने फिर कहा, 'बिल्कुल ठीक कहता हूं। गांधी जी पागल ही है।' तब मां ने बिगड़कर डांटा, बोली, 'नहीं चुप होगा तो पीटूंगी तुझे।'

तभी गांधी जी का भी ध्यान उस बालक की तरफ गया। वे हंसते हुए पूछ बैठे, 'क्यों डांटती हो? कहता क्या है यह?' मां भला क्या बताए। गांधी जी ने तब उसी बालक से पूछा—'क्यों रे मुन्ना! बता, क्या कहना चाहता है?' बालक बोला, 'तुम तो पागल हो।' यह सुनकर उसके माता-पिता परेशान हो उठे पर गांधी जी हंसने लगे। बालक से पूछा—'अच्छा, यह तो बता कि मैं तुझे क्यों पागल लगा हूँ?' तो वह कहने लगा—'मां ने मुझसे एक दिन कहा था कि तू अकेले-अकेले खा रहा है, कैसा पागल है। थोड़ा इस (दूसरे) लड़के को भी दे। आप भी अकेले खाते हैं, दूसरे को नहीं देते। फिर पागल नहीं तो क्या है?' गांधी जी ने कहा, 'हां, तुरन्त नहीं लेना चाहिए पर बार-बार कहने पर ले लेना चाहिए.' माता-पिता के कहने पर बालक ने फल ले लिया। माता-पिता अपने बच्चे को जो कुछ भी सिखाते हैं, वह उस शिक्षा को भूलता नहीं है, वही कुछ उस बालक की बातों ने साबित किया। ■

फोटो आंफ द मंथ

फोटो आंफ द मंथ

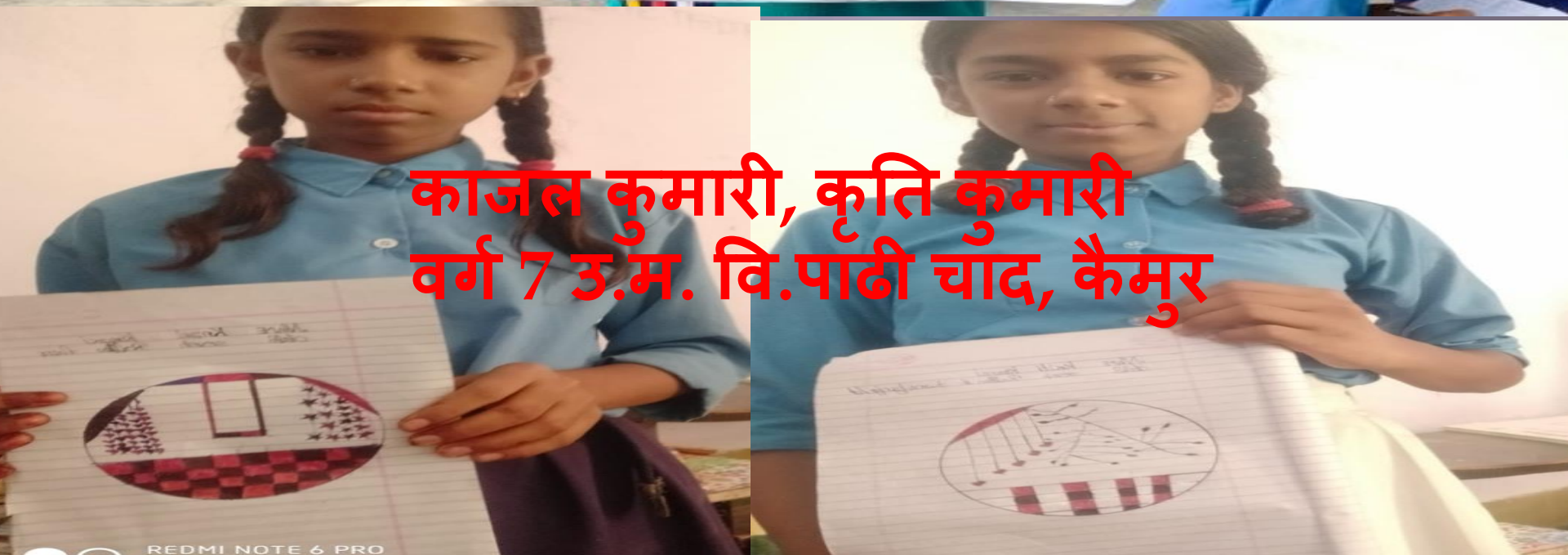

फोटो आंफ द मंथ

उ.म.वि.चन्दा , चांद, कैमुर

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

द्रोणाचार्य पुरस्कार

द्रोणाचार्य पुरस्कार का इतिहास:

द्रोणाचार्य पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1985 में की गई थी। यह पुरस्कार गुरु द्रोण के नाम पर रखा गया है, जिसे अक्सर "द्रोणाचार्य" या "गुरु द्रोण" कहा जाता है, जो कि प्राचीन भारत के संस्कृत महाकाव्य महाभारत का एक पात्र है। वह उन्नत सैन्य युद्ध के स्वामी थे और कौरव और पांडव राजकुमारों को सैन्य कला और एस्ट्रस (दिव्य शस्त्र) में उनके प्रशिक्षण के लिए शाही राजनेता के रूप में नियुक्त किया गया था। इस पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता भालचंद्र भास्कर भागवत (कुश्ती), ओम प्रकाश भारद्वाज (मुक्केबाजी), और ओ एम. नांबियार (एथलेटिक्स) थे, जिन्हें 1985 में सम्मानित किया गया था। आमतौर पर हर साल अधिकतम 5 प्रशिक्षकों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

@reallygreatsite

सायकिल है सहयोगी

ग्लोबल वार्मिंग
धरती में बढ़ती गर्मी आज दुनिया की सबसे बड़ी चिंता है । अंधाधुंध विकास की सौगात ने मानव,पशु समेत धरती के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है। पर अभी भी उम्मीद की चंद किरणें बाकी है ।अपने जीवन शैली में बदलाव लाकर हम पर्यावरण के साथ फिर से अपनी दोस्ती पक्की कर सकते हैं।ऐसा ही एक बदलाव है परिवहन के साधन के रूप में साइकिल को अपना कर और साइकिल की सवारी कर।

बालमन टीम चांद, कैमुर

@reallygreatsite

@reallygreatsite

आओ पेड़ लगाए

हमें सब मालूम है साहब पेड़ वर्षा करते हैं। पेड़ हवा साफ करते हैं और मिट्टी को जकड़े रखते हैं। हमारे देश की ग्रामीण जनता भी जानती है कि पेड़ काटना हानिकारक है परंतु उनके पास विकल्प न होने के कारण ही मजबूर होकर कुल्हाड़ी उठाते हैं। हम जानते हैं हमारे देश में पर्वत, नदियों और पेड़ों की पूजा होती है उनमें देवताओं का वास माना गया है। फिर कोई ऐसे ही थोड़े ही पेड़ काटने दौड़ दौड़ेगा। इसलिए मेरे मित्रों इन छोटे नन्हे मुन्ने हाथों से एक पेड़ को लगाये और आने वाले जीवन के बचाव में सहभागिता निभाए।

बालमन टीम चांद, कैमुर

@reallygreatsite

दुसर प्रखंड आपन जिला

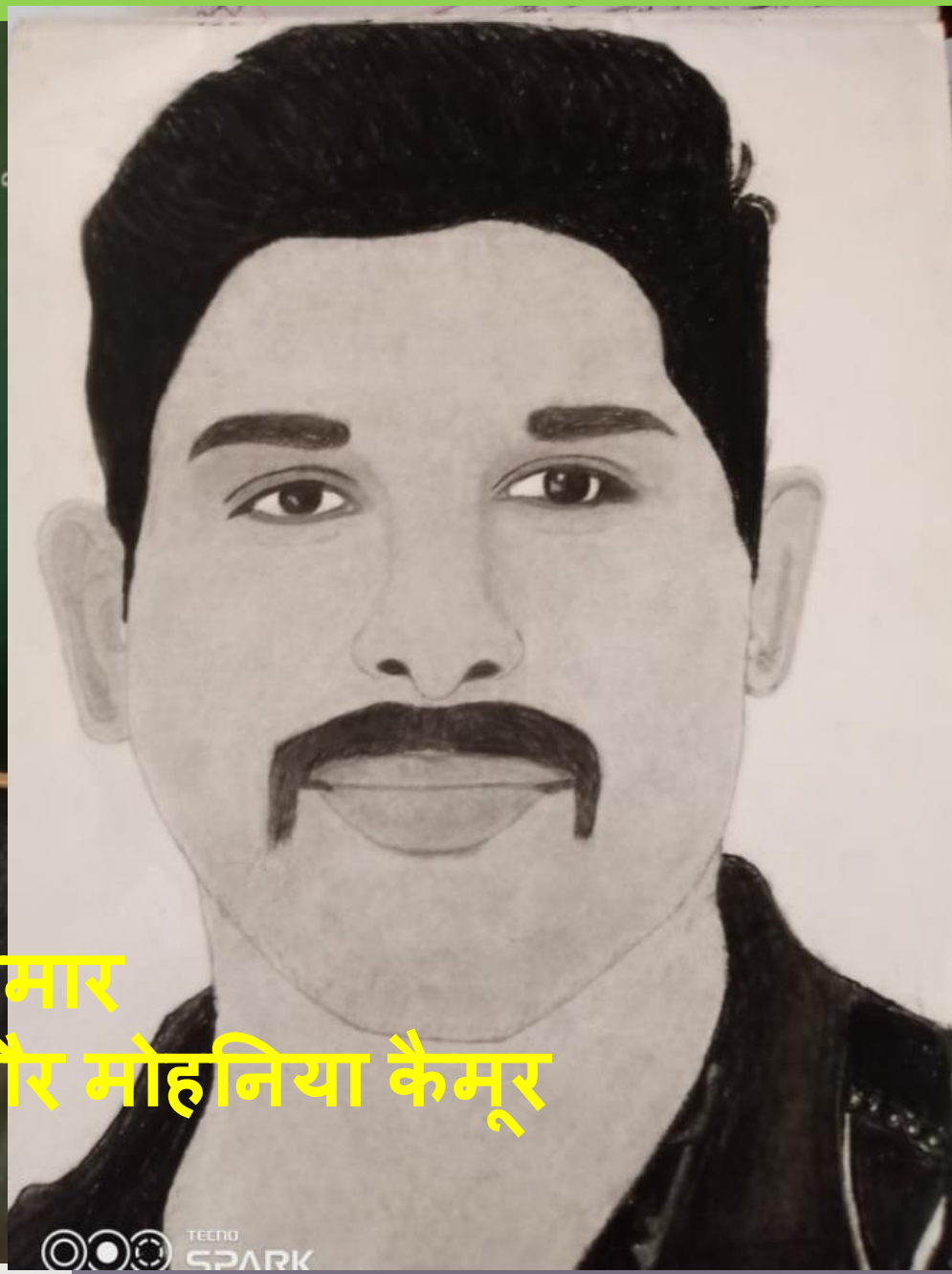

आकाश कुमार
म.वि.बम्हौर मोहनिया कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

दुसर प्रखंड आपन जिला

प्रभात कुमार वर्ग 9
10+2उच्च वि.भभुआ कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

उ.म.वि.खैरा भभुआ कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

उ.म.वि.सिलौटा भभुआ, कैमूर

उ.म.वि.अर्रा मोहनिया कैमूर

दुसर जिला आपन राज्य

सपना सहनी वर्ग 7
उ.म.वि.चाॅपी कोढा
कटिहार

फुलजहाॅ खातून वर्ग 9
उ.उ.मा.वि.रजवा ताजपुर
समस्तीपुर

दुसर जिला आपन राज्य

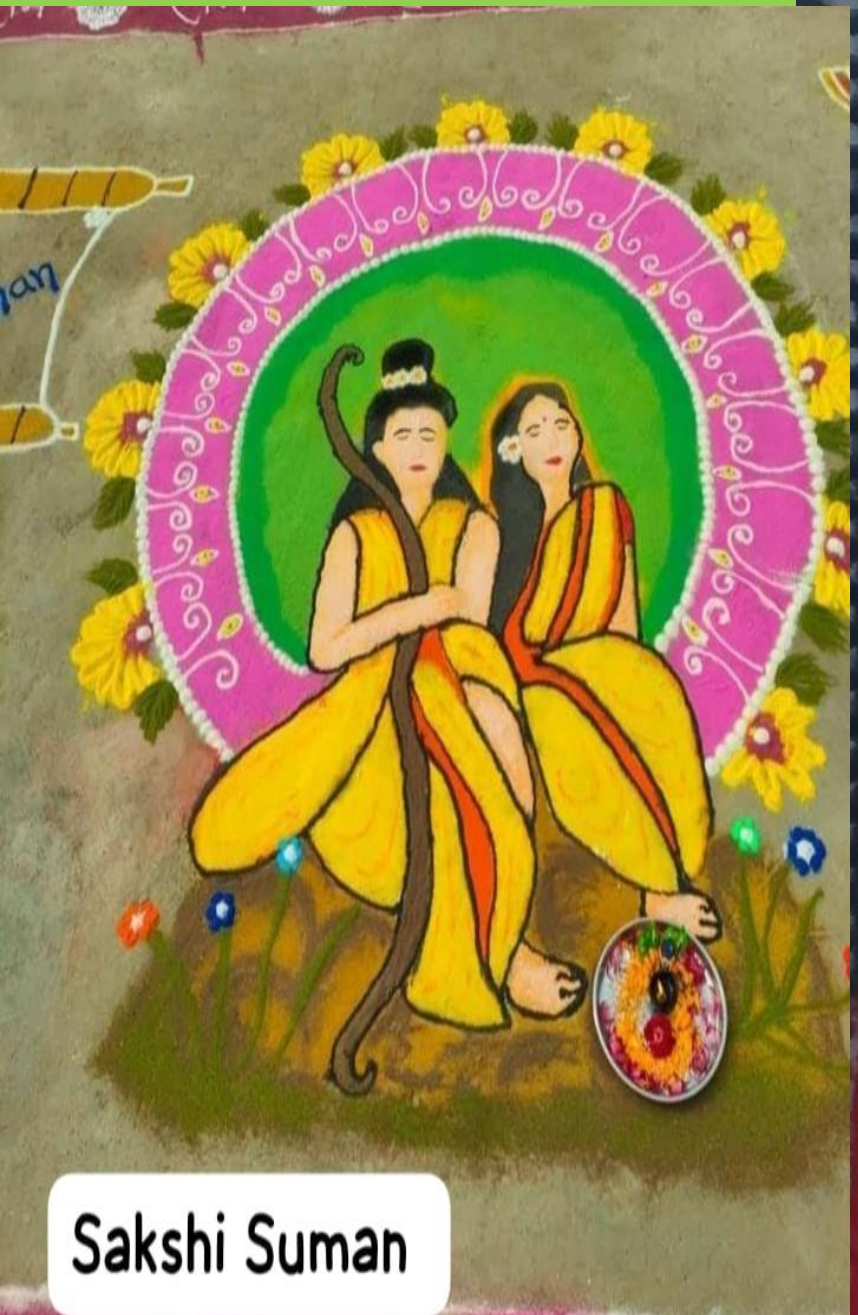

दुसर जिला आपन राज्य

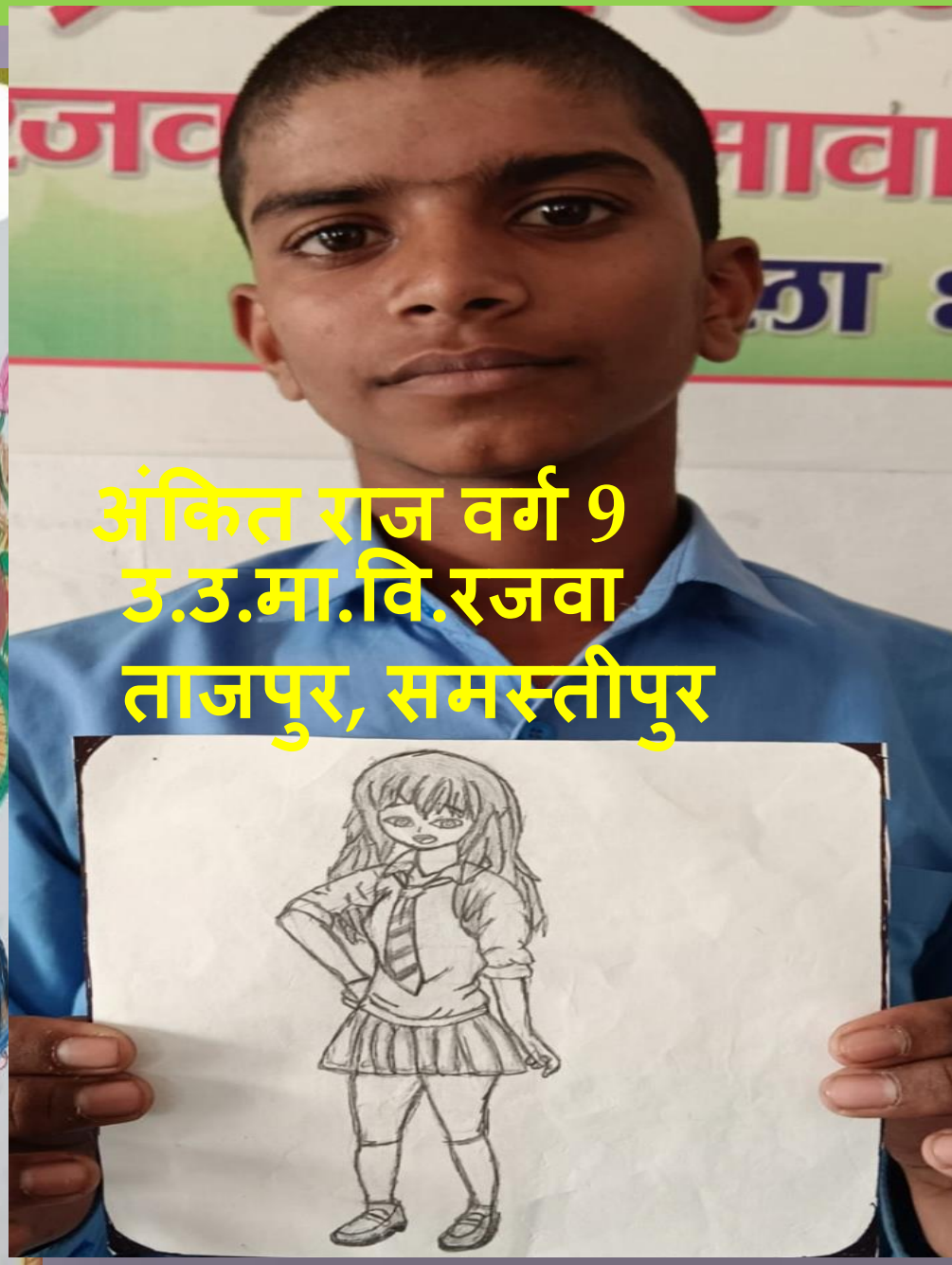

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

20 नवम्बर

1. **विश्व बाल दिवस–** पहली बार इसे वर्ष 1954 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया गया था। हालांकि इसे मनाने की शुरूआत 1925 ई. में ही हो गई थी। इसी दिन यानी 20 नवम्बर, 1959 ई. को ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकार के घोषणापत्र को अंगीकार किया था तथा वर्ष 1989 में भी इसी तारीख को बाल अधिकार पर समझौता हुआ था जिसे 191 देशों द्वारा पारित किया गया था। विश्व बाल दिवस मनाने का विचार दिवंगत श्री वी के कृष्ण मेनन का था जिसे संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा वर्ष 1954 में अपनाया गया। यह दिवस विश्व के बच्चों के कल्याण के लिए कदम उठाने और उसे बढ़ावा देने को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया।

2. **टीपु सुल्तान का जन्म–** टीपु सुल्तान का जन्म 20 नवम्बर, 1750 ई. को कर्नाटक के देवनाहल्ली में हुआ था। वह मैसूर के शासक हैदरअली का पुत्र था। उसका पूरा नाम सुल्तान फतेह अली खान शाहाब था। वह 1782 ई. से 1799 ई. तक मैसूर का शासक रहा। उसकी वीरता से प्रभावित होकर उनके पिता हैदर अली ने ही उन्हें 'शेर–ए–मैसूर' के खिताब से नवाजा था।

- बच्चों को **तृतीय और चतुर्थ मैसूर युद्ध** के साथ जोड़कर बतायें।

/teachersofbihar

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

उ.म.वि.किलनी चांद, कैमुर

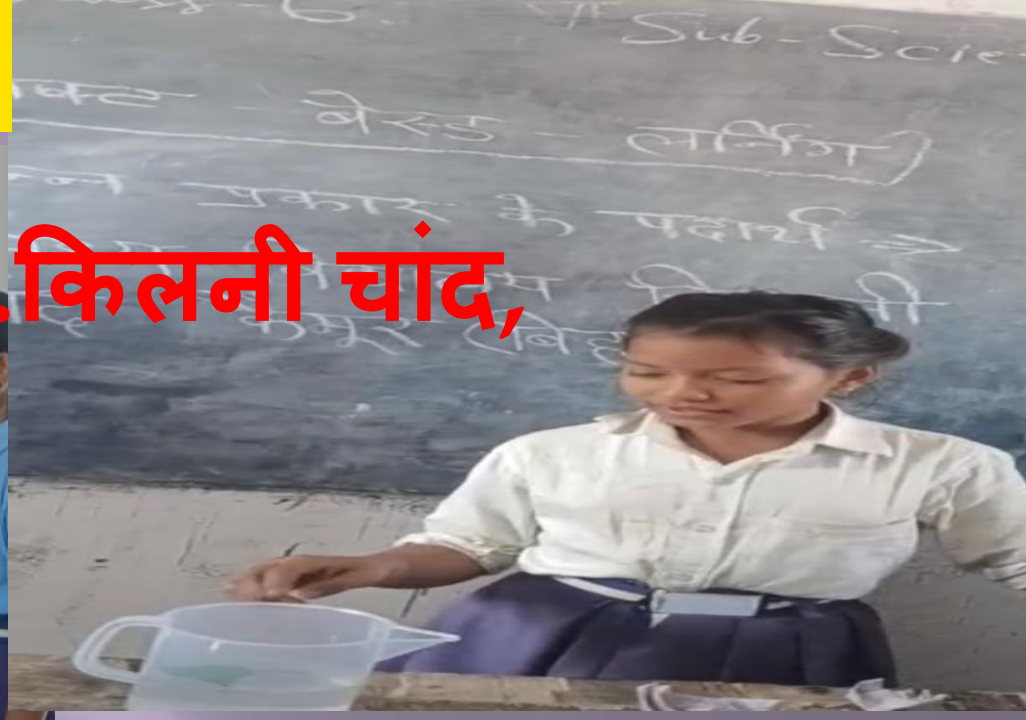

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

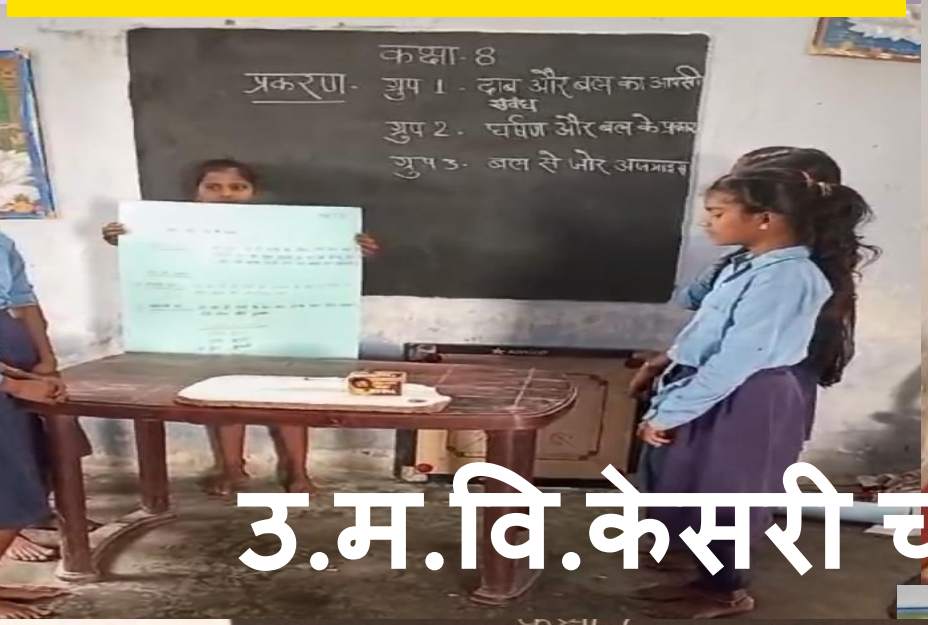

उ.म.वि.केसरी चांद, कैमुर

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

क.म.वि.चांद कैमूर

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

क.म.वि.चांद कैमूर

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

क.म.वि.चांद कैमूर

कलाकृति

न्यू प्रा.वि.भेरी चांद, कैमुर

कलाकृति

उ.म.वि.बडहरिया चांद कैमुर

कलाकृति

उ.उ.वि.भलुहारी चांद, कैमुर

जागरूकता

क.म.वि.चांद कैमूर

जागरूकता

क.म.वि.चांद कैमूर

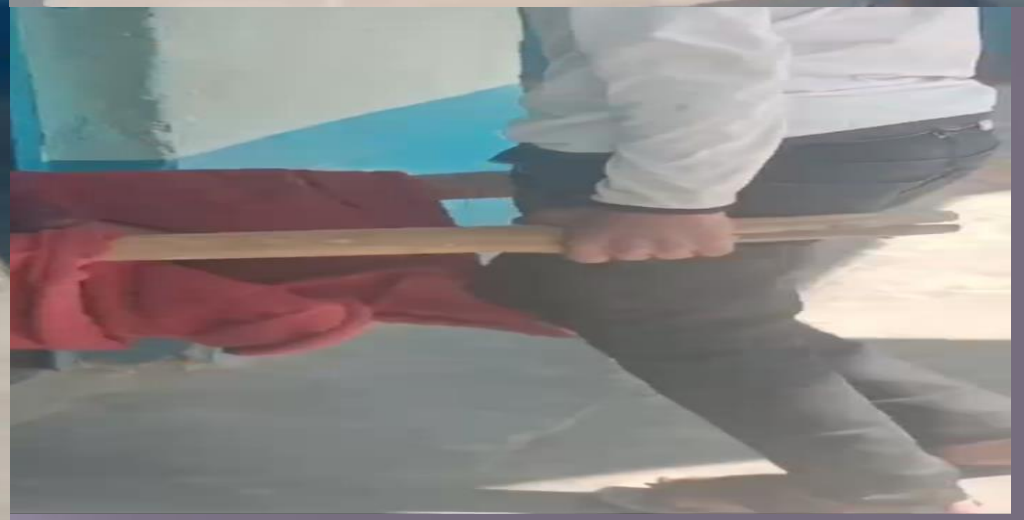

मेरी उड़ान

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया चांद, कैमुर

मेरी उड़ान

बुनियादी विद्यालय अइलाय चांद, कैमुर

परख सर्वेक्षण

मानव भारती चांद, कैमुर

उ.म.वि.सिरहीरा चांद, कैमुर

परख सर्वेक्षण

उच्च

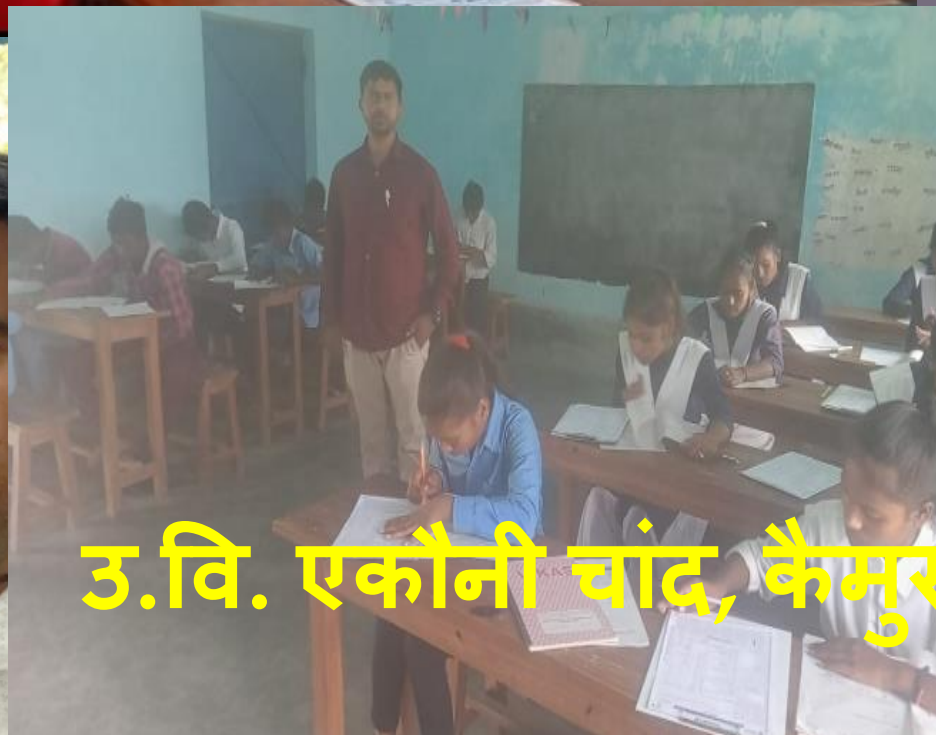

परख सर्वेक्षण

पढ़ता बिहार बढ़ता

उर्दू प्रा.वि.करवन्दिया चांद, कैमुर

पढ़ता बिहार बढ़ता बिहार

सुलेख मूल्यांकन

क.म.वि.चांद कैमूर

रंगोली स्पेशल

रंगोली स्पेशल

प्रा.वि.भटानी चांद, कैमुर

पर्दा उर्दू वि.क

रवन्दिया चांद कैमुर

रंगोली स्पेशल

बालमन पुरस्कार समारोह

बालमन पुरस्कार समारोह

वालमन पुरस्कार समारोह

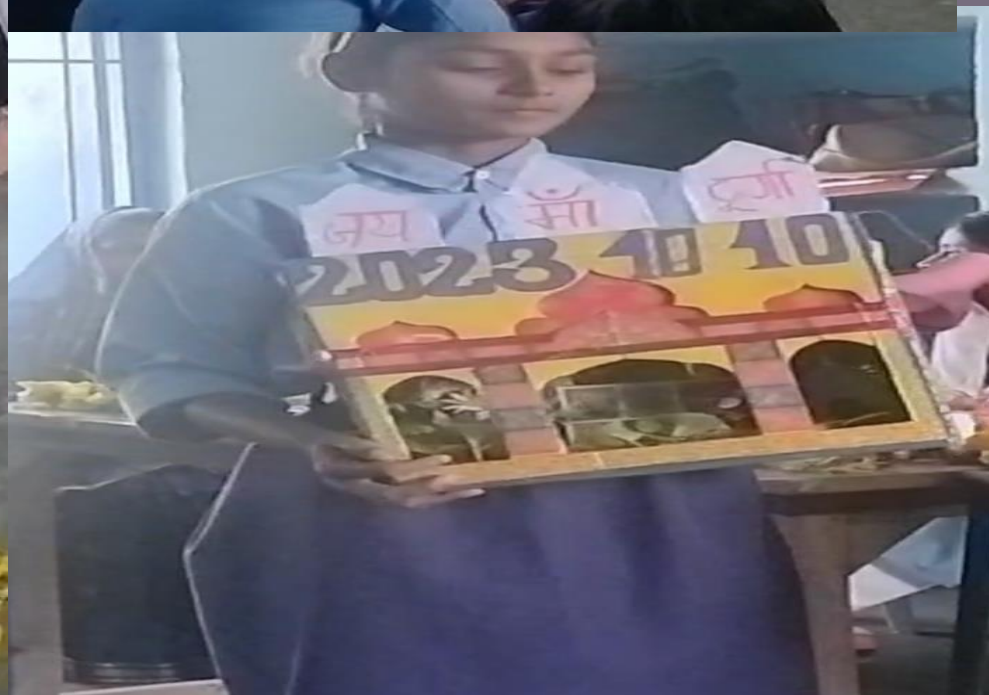

बालमन पुरस्कार समारोह

बालमन पुरस्कार समारोह

बालमन चांद के सौजन्य से दुर्गा पूजा व विजयदशमी के उपलक्ष्य में बंटा पुरस्कार

कैमूर (ज्ञानशिखा टाइम्स)। कन्या मध्य विद्यालय चांद, कैमूर में बालमन चांद के सौजन्य से दुर्गा पूजा व विजयदशमी के उपलक्ष्य में पुरस्कार वितरण किया गया। इसमें थीम वर्ग 1 से 5 के बच्चों हेतु दुर्गा मूर्ति पूजा मिट्टी से निर्माण, वर्ग 6 से 8 के बच्चों हेतु रद्दी कागज, कूट, कपड़ा आदि से निर्मित दुर्गा पंडाल, वर्ग 9 से 12 के बच्चों हेतु पर्यावरण बचाव मॉडल रहा। अध्यक्षता मीरा कुमारी उ.उ.वि. भलुहारी चांद, संचालन प्रीति कुमारी उ.म.वि. धोबहा, चांद के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बालमन टीम सदस्य सुमन सिंह पटेल, कु.पूनम, विनीता तिवारी, पूनम कुमारी, दीपशिखा, पूनम तिवारी, शिव कुमारी, रीता विश्वकर्मा, आरती गुप्ता, बालमन चांद के प्रधान संपादक प्रमोद कुमार निराला आदि उपस्थित रहे। प्रथम पुरस्कार 1 से 5 में संध्या कुमारी वर्ग 3 उ. उ वि. भलुहारी चांद प्रथम पुरस्कार 6 से 8 में विमलेश कुमार वर्ग 6 म.वि.पाढी चांद प्रथम पुरस्कार वर्ग 9 से 12 सोनाली कुमारी वर्ग 9 उ.उ.वि.भलुहारी चांद द्वितीय पुरस्कार वर्ग 6 से 8 आरूषी कुमारी और वंदना कुमारी वर्ग 8 म.वि.पाढी चांद तृतीय पुरस्कार आकाश कुमार वर्ग 7 म.वि.चांद सांत्वना पुरस्कार अर्चना कुमारी वर्ग 5 बेसिक विद्यालय अइलाय नेहा कुमारी वर्ग 5 न्यू प्रा.वि.भेरी चांद सहित कुल आठ छात्रों को बालमन चांद टीम के सौजन्य से पुरस्कार वितरित किया गया।

Azad Contribution Excellence Award (ACEA)

Presented to

PRAMOD KUMAR

G.M.S. Chand, Chand, Kaimur

For your contribution in 'Teachers of Bihar' as

BalMan Team Leader

In recognition of their exceptional and unwavering dedication to the betterment of education , their exemplary leadership, and their commitment to achieving excellence in all their endeavors.
This award is a testament to their outstanding contributions, reflecting the spirit of Azad and inspiring others to follow in their path of positive impact.
This certificate was awarded on November 11, 2023.

Shiv Kumar	Prof. Chandan Shrivastava	Dr. Rashmi Prabha	Prof. Usha Sharma
Founder ToB	Academic Coordinator Bhartiya Bhasha Samiti	Joint Director, SCERT BIHAR	Incharge National Literacy Center Cell Elementary Education Department NCERT,New Delhi

C.N.: ToB/ACEA/2023/00061 www.teachersofbihar.org

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर सम्मानित हुए टीचर्स

र्स ऑफ बिहार के टीम
र्स को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
अवसर पर मिला
ईआरटी की प्रो. उषा शर्मा
एससीईआरटी की डॉ. रश्मि
के संयुक्त हस्ताक्षर युक्त
न पत्र "आजाद कंट्रीब्यूशन
लेंस अवॉर्ड" जे टी न्यूज,
ाः शिक्षा के क्षेत्र में योगदान
देखते हुए भारत के पहले
मंत्री मौलाना अबुल
म आजाद के जन्मदिन की
में प्रत्येक वर्ष 11 नवंबर
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया
है। प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय
दिवस के अवसर पर
मंत्रालय भारत सरकार के
विशेष थीम निर्धारित किया
है। इस वर्ष भी शिक्षा
लय भारत सरकार की ओर
क विशेष थीम निर्धारित की
है। इस वर्ष की थीम
सिंग इनोवेशन" है जो
त्मक और अद्वितीय शिक्षण
यों को बढ़ावा देने के लिए
दृष्टिकोण के महत्व पर
देता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति

प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स आफ बिहार के द्वारा बिहार के विभिन्न जिले के शिक्षकों के द्वारा अपने-अपने विद्यालयों में आयोजित होने वाली नवाचारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य करने वाले टीम लीडर्स, डिस्ट्रिक्ट मेंटर्स, ब्लॉक मेंटर्स एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मॉडरेटर्स को एनसीईआरटी नई दिल्ली की प्रोफेसर उषा शर्मा, प्रभारी, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एससीईआरटी पटना की संयुक्त निदेशक (डायट) डॉ. रश्मि प्रभा, प्रभारी, अकादमिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, चंदन श्रीवास्तव एवं टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से निर्गत डिजिटल सर्टिफिकेट "आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया।

"आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस

ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर ऑनलाइन मोड में आयोजित समारोह के माध्यम से की गई।

"आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड" से सम्मानित होने वालों में ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन को टेक्निकल टीम लीडर, अररिया जिले के शिक्षक सत्यनारायण साह को फेसबुक टीम लीडर, पूर्वी चंपारण जिले के शिक्षक मृत्युंजय ठाकुर को कुटुंब टीम लीडर, भागलपुर जिले की शिक्षिका खुशबू कुमारी को ट्वीटर टीम लीडर, अररिया जिले के शिक्षक रंजेश कुमार को कू एप एवं न्यूज टीम लीडर, शिक्षिका मधु प्रिया को लिंकडिन एप एवं पोस्टर टीम लीडर, भागलपुर जिले की शिक्षिका शालिनी कुमारी को पिनिट्रिस्ट एप टीम लीडर, मधेपुरा जिले की शिक्षिका शिवानी प्रिया को यूट्यूब एप टीम लीडर, सिवान जिले की शिक्षिका अनुपमा प्रियदर्शिनी को राइटर्स टीम लीडर, गोपालगंज जिले की

ऑफ द डे टीम लीडर, औरंगाबाद जिले की शिक्षिका मृदुला सिन्हा को वीडियो ऑफ द डे टीम लीडर, बांका जिले की शिक्षिका रूबी कुमारी को बाल मंच टीम लीडर, समस्तीपुर जिले के शिक्षक अनिल कुमार प्रभाकर को दैनिक पत्रिका चेतना टीम लीडर,

औरंगाबाद जिले के शिक्षक चंद्रशेखर [illegible]साद साहू को ई-मैग[illegible] लीडर, सुपौल जिले के [illegible] सौरभ सुमन को दक्ष [illegible] कैमूर जिले के शिक्षक धीरज कुमार को बाल मन टीम लीडर कैमूर, कमलेश कुमार को बाल मन टीम लीडर कुदरा, प्रमोद कुमार निराला को बाल मन टीम लीडर चांद एवं बिहार के विभिन्न जिले के डिस्ट्रिक्ट एवं ब्लॉक मेंटर का नाम शामिल है।

उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने

दैनिक भास्कर
सासाराम / कैमूर भास्कर 15-11-2023

शिक्षा-दीक्षा • शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर करने पर शिक्षकों को दिया गया आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर कैमूर के 11 शिक्षक सम्मानित हुए

सिटीरिपोर्टर|भभुआ

शिक्षा दिवस पर कैमूर के 11 शिक्षकों को आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। बता दें कि शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा विशेष थीम निर्धारित किया जाता है। इस वर्ष भी शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से एक विशेष थीम निर्धारित की गई है। इस वर्ष की थीम एम्ब्रेसिंग इनोवेशन है जो रचनात्मक और शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नवीन दृष्टिकोण के महत्व पर जोर देता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु निर्मित बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स आफ बिहार के द्वारा बिहार के विभिन्न जिले के शिक्षकों के द्वारा अपने-अपने विद्यालयों में आयोजित होने वाली नवाचारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य करने वाले टीम लीडर्स, डिस्ट्रिक्ट मेंटर्स, ब्लॉक मेंटर्स एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मॉडरेटर्स को एनसीईआरटी नई दिल्ली की प्रोफेसर उषा शर्मा, प्रभारी, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एससीईआरटी पटना की संयुक्त निदेशक (डायट) डॉ.रश्मि प्रभा, प्रभारी अकादमिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार, चंदन श्रीवास्तव एवं टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से निर्गत डिजिटल सर्टिफिकेट आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड' की घोषणा टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर ऑनलाइन मोड में आयोजित समारोह में की गई।

शिक्षक बेहतर कार्य के लिए सम्मानित हुए

आजाद कंट्रीब्यूशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित होने वालों शिक्षको में कैमूर के शिक्षक धीरज कुमार बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक सह शिक्षक उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ को बालमन पत्रिका के टीम लीडर हेतु कमलेश कुमार उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय हरदासपुर, कुदरा को बाल मन टीम लीडर कुदरा,प्रमोद कुमार निराला कन्या मध्य विद्यालय,चांद को बाल मन टीम लीडर चांद,सिकंद्र कुमार सुमन प्राथमिक विद्यालय तरहनी कुदरा को दक्ष और पोस्टर निर्माण हेतु,राजेश कुमार सिंह महाबल भृगनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरिगावा बहेरा भभुआ को बालम पत्रिका में विज्ञान कॉर्नर निर्माण स पोस्टर निर्माण हेतु इसके साथ कुमार राकेश मणि उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा, नुआंव,खुश्बू कुमारी उत्क्रमित म विद्यालय दुघरा भभुआ,डॉक्टर वंदना उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बरडीहा,चैनपुर सहित जिले के डिस्ट्रिक्ट एवं ब्लॉक मे नाम शामिल है।

महत्वपूर्ण दिवस

1 नवंबर- विश्व शाकाहारी दिवस
11 नवंबर- राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
14 नवंबर -बाल दिवस
19 नवंबर -अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस
20 नवंबर-विश्व बाल दिवस
26 नवंबर- संविधान दिवस
27 नवंबर-एनसीसी स्थापना दिवस

बालमन टीम चांद कैमूर

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाइल 9661547325 पर दे सकते है।

Thank you